सूना सूना लागे बृज का धाम

सूना सूना लागे बृज का धाम,
गोकुल को छोड़ चले रे घन्श्याम |

यमुना रोए, मधुबन रोए, यमुना रोए, रोए कदम की शय्या,
भर भर नैना रोए रे गवाले, रोये बृज की गईआं |
राह रोक कर रोए मनसुखा, बिशड रहे मोरे श्याम रे ||

बोल सके ना घर के पंशी, असुअन से भरे नैना,
आजा काहना, ना ज काहना, कूके रे पिंजरे की मैना |
नदिया रोये, गिरिवर रोये, ले कहना का नाम रे ||

प्रेम दीवानी राधा रानी, भर नैना में पानी,
सुबक सुबक कहे हाय रे कहना, तुने बिरहा की पीर ना जानी |
कैसे कटेगी, तुम बिन साथी जीव की अब श्याम रे ||

स्वर : मोहम्मद रफ़ी

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/34/title/suna-suna-laage-brij-ka-dham-gokul-ko-shod-chale-re-ghanshyam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |